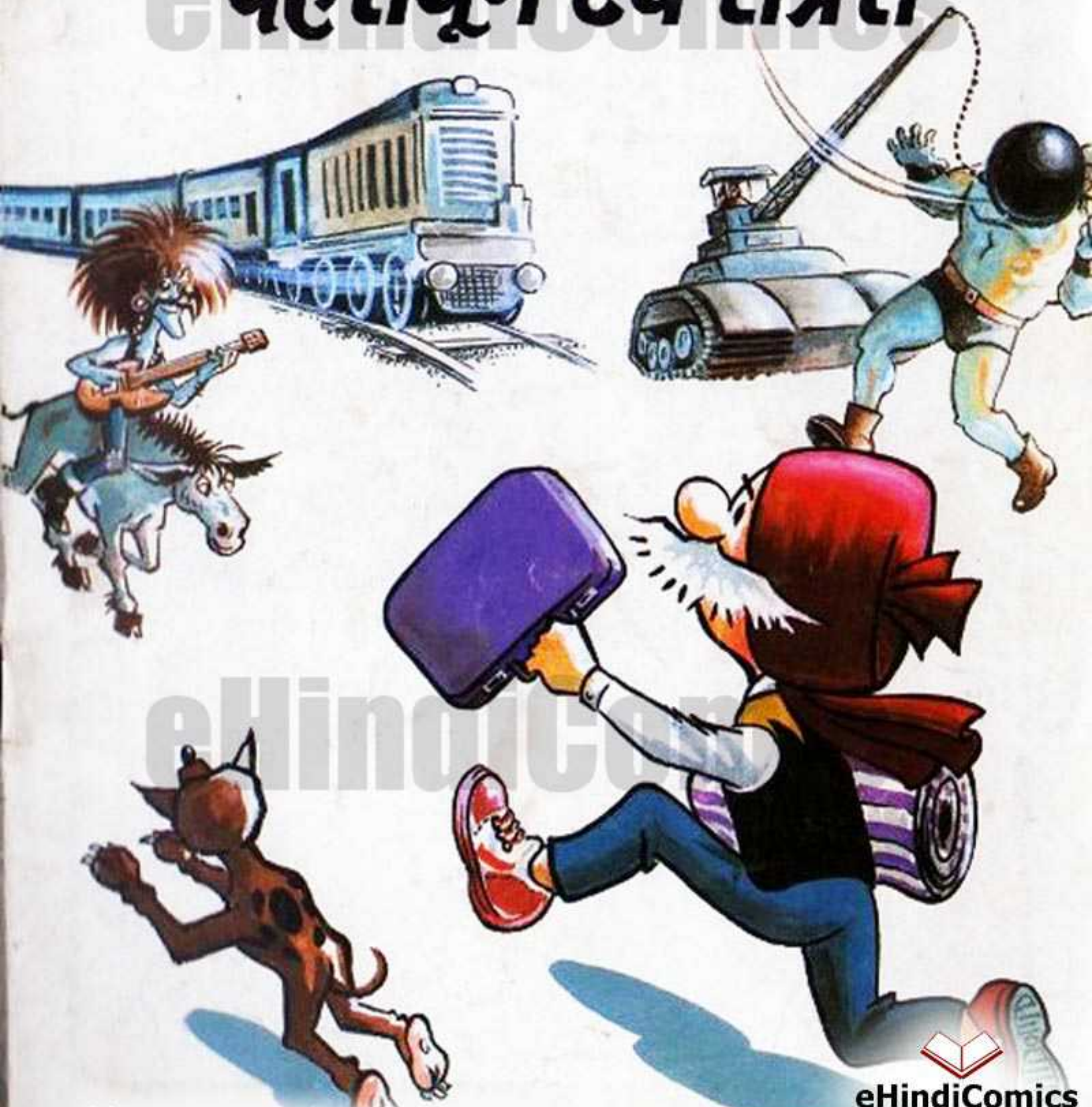




प्रा०। चाचा चौधरी और वेहरावन एक्सप्रेस





कार्टूनिस्ट प्रमोद का जन्म कसूर नामक कलावे में, जो अब पाकिस्तान में है, हुआ था। एम.ए. (राजनीति शास्त्र) और फाइव आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद, उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मित्रता में शुरू हुआ।

उन दिनों तब भारत में विदेशी कार्टूनिस्ट छपती थीं। प्रमोद ने भारतीय पत्रों की रचना करके स्वदेशी विषयों पर कार्टूनिस्ट बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख खिस्त्र हैं - छाया चौधरी, गानू, धीमतीश्री, मिस्त्री, बिल्लू और रमन।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनको 1995 में वीथुन ऑफ द इयर अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी छाया चौधरी स्ट्रिप्स को इंटरनेशनल स्ट्रिपस ऑफ कार्टून आर्ट, अमेरिका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वदेशी प्रधानमंत्री धीमती इंदिरा गांधी ने प्रमोद की राष्ट्रीय एकता पर कभी कालिदास 'रमन-राम एक हैं' का विरोध किया।

प्रमोद के धारियों की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सेरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक मुस्कुंदा देते हैं।

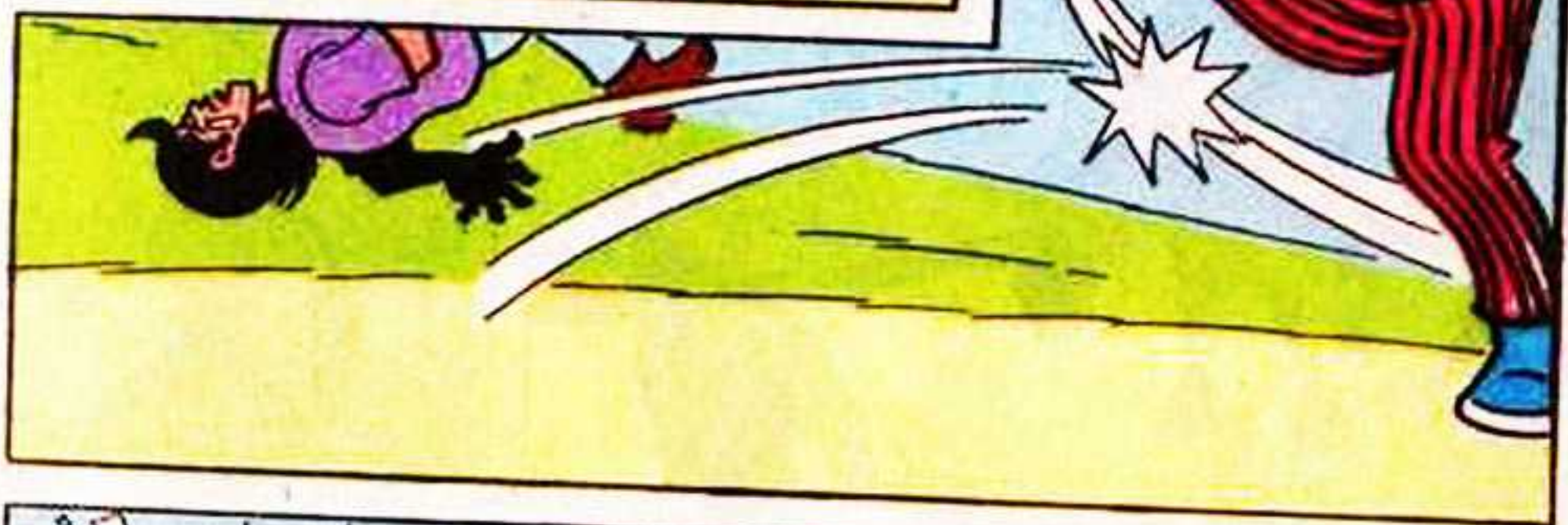
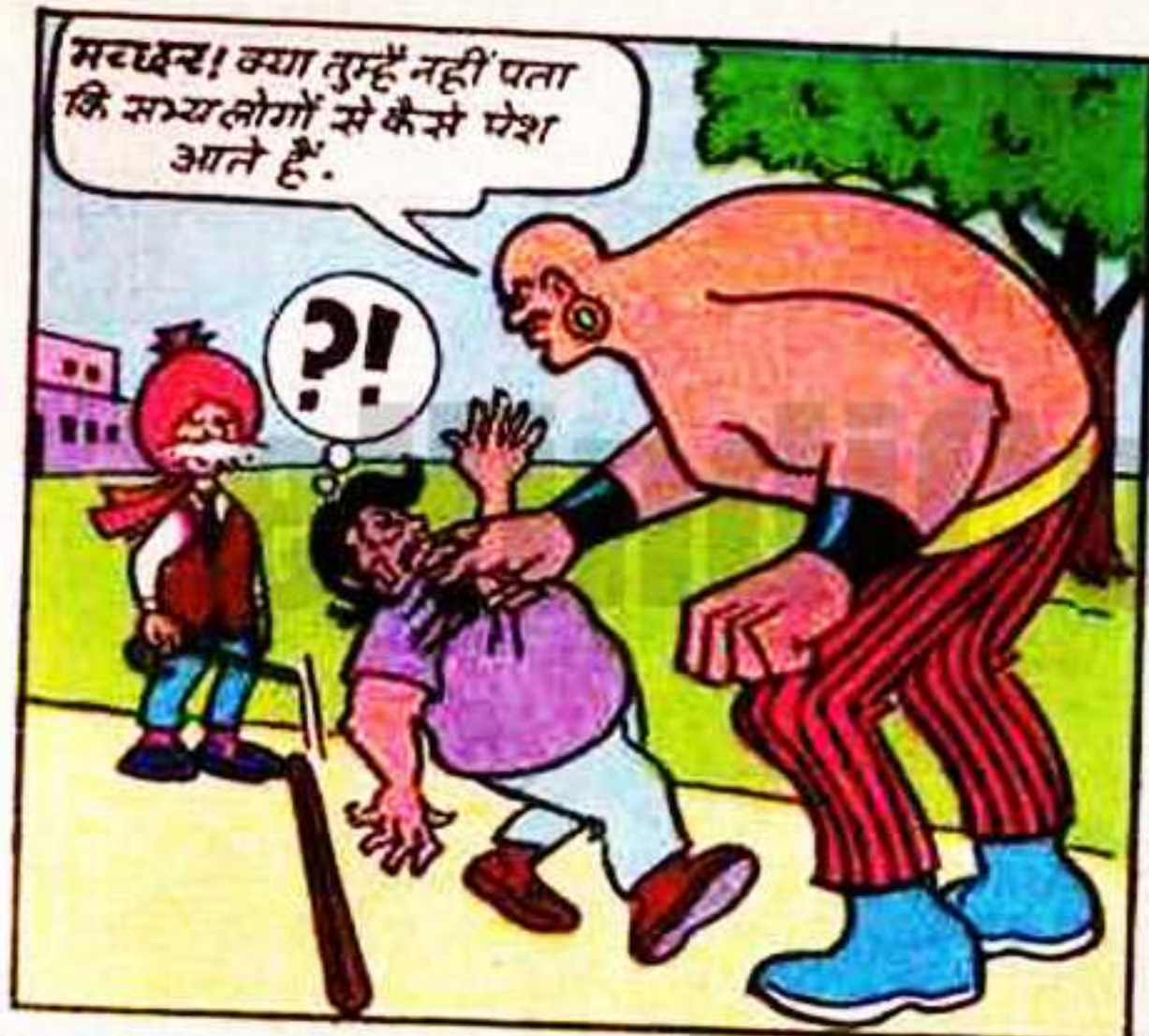
प्रकाशक

शैरी का होटल



TITLES CHACHA CHAUDHARY AND BABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETOR'S PRAM'S FEATURES, A-84 KARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.





© PRANG FEATURES



कार रोको ! मुझे उस आदमी से बात करनी है.



तुम?

मेरा नाम है 'शम्बू शॉक म्यूजिक वाला' कोई मुझे मकान किराये पर नहीं देता. इसलिए मैं यलफिर कर गुजारा करता हूँ.



यह शॉक म्यूजिक क्या हुआ?



जैसे पॉप म्यूजिक या रॉक म्यूजिक उसी तरह शॉक म्यूजिक लोगों को यह संगीत सुनकर भटका लगता है. इसलिए मैंने इसका नाम शॉक म्यूजिक रखा है.



शम्बू ! तुम काम के आदमी हो. गचा यौधरी का मकान खाली करा दो. मैं तुम्हें एक कमरा दे दूंगा. जहाँ तुम संगीत का अभ्यास कर सकते हो.

यह आदमी मेरा संगीत बर्दास्त नहीं कर पायेगा. और मकान छोड़कर भाग जायेगा.









चाचा चौधरी देहरादून ए



चाचाजी ! वह दस किलो सोने की घोसाघड़ी आपने कैसे पकड़ी थी ?



वह दस किलो सोने की घोसाघड़ी आपने कैसे पकड़ी थी ?

वह दस किलो सोने की घोसाघड़ी आपने कैसे पकड़ी थी ?



वह दस किलो सोने की घोसाघड़ी आपने कैसे पकड़ी थी ?



राजकीय लाटरी का पहला ड्राम था दस किलो सोना और जीतने वाले टिकट का नम्बर था AZ - 5972448. बी. के. नाम के चालाक व्यक्ति ने इस नम्बर का टिकट दफ्तर में पेश किया और पहले ड्राम का दावेदार बन बैठा.



तभी एक म...
रखा और



वह दस किलो सोने की घोसाघड़ी आपने कैसे पकड़ी थी ?





अधिकारी परेशान थे. दो टिकटों में एक नकली था. मगर कौन सा? मैंने दोनों टिकटों को इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर कई गुना बढ़ा किया. तब रहस्य खुला. ठग बी.के.के. टिकट का नम्बर था AZ-5972443. उसने खालाकी से 3 को 8 बना लिया था.



और डाकू धांगा को कैसे मारा ?

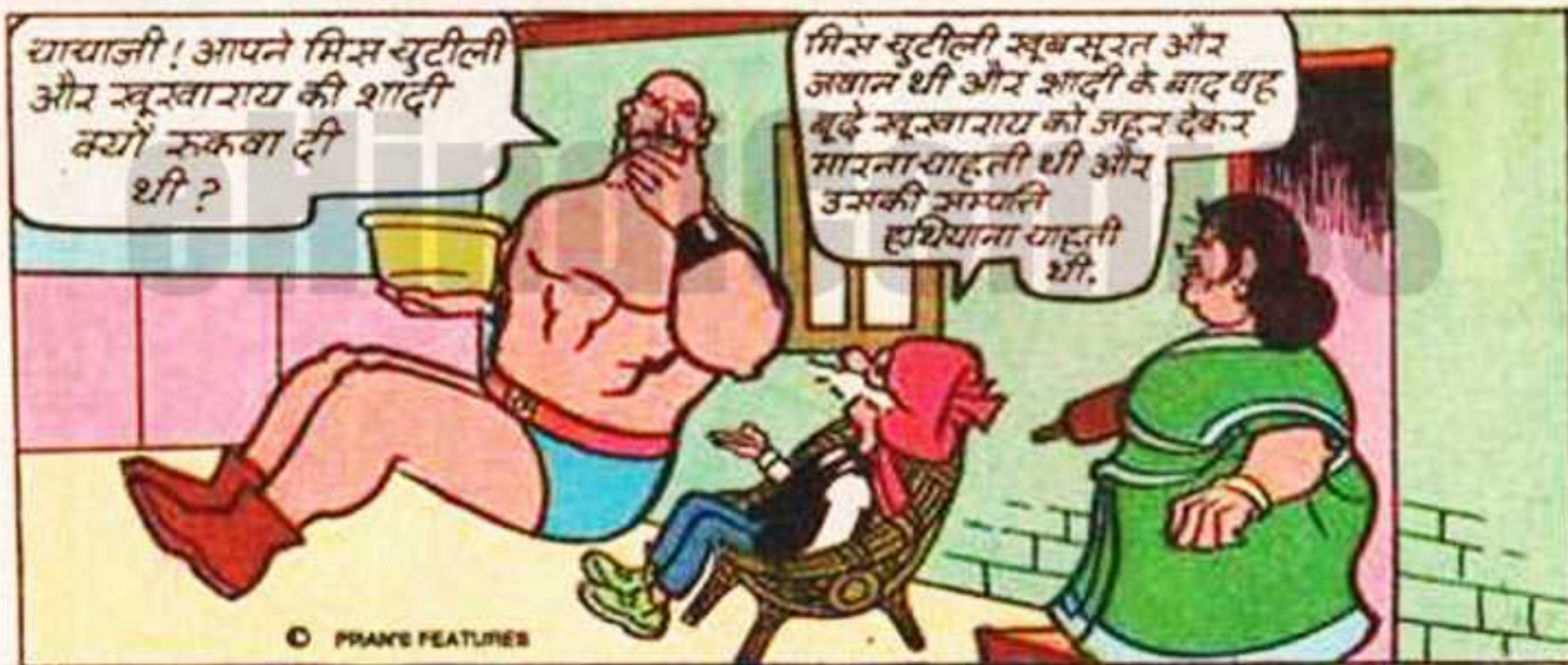
वह खूंखार आदमी था. उसने एक पुल बनाने वाले एक इंजीनियर का अपहरण कर लिया और उसकी रिहाई के लिए दस लाख रुपये मांगे.



मैंने उसे निर्धारित जगह पर नोटों का बैग दिया और इंजीनियर को रिहा करा लिया. पर ज्योंही धांगा कुछ कदम चला, बैग में से धमाका हुआ और डाकू मारा गया. बैग में नकली नोटों के नीचे टाइम बम रखा था.

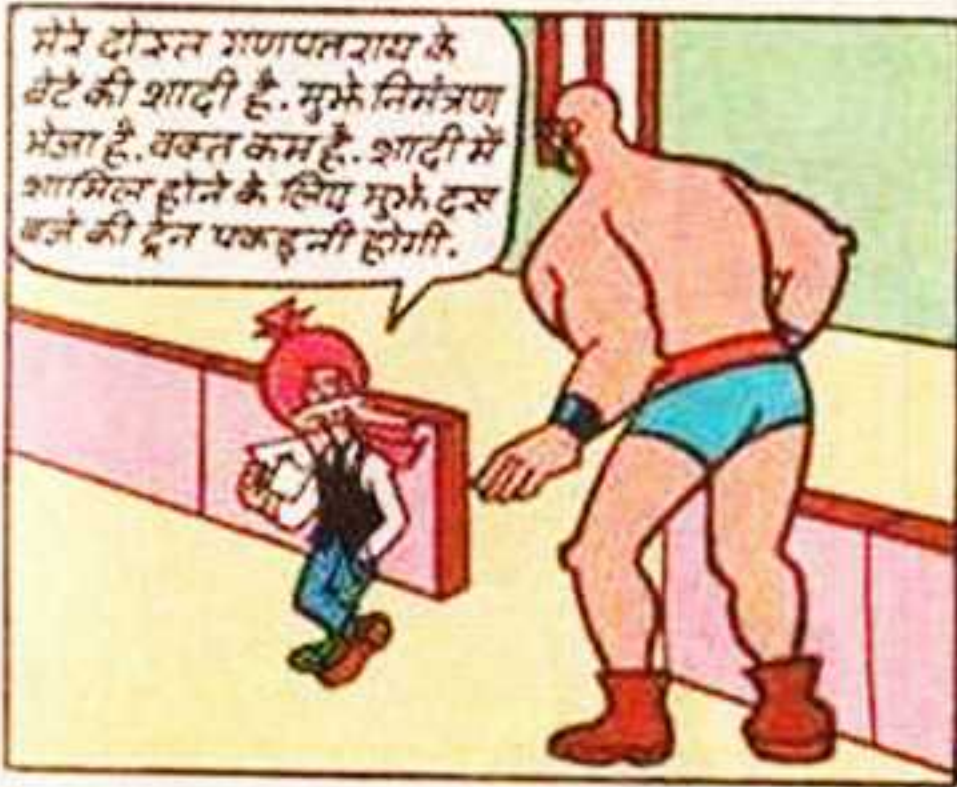


तुम दोनों को हमेशा खूंखारों की बातें सूझती हैं. कोई अच्छी, जैसे ब्याह-शादी की बात नहीं सूझती ?



चाचाजी! आपने मिस स्टूटली और खूंखाराय की शादी क्यों रूकवा दी थी ?

मिस स्टूटली खूबसूरत और जवान थी और शादी के बाद वह बड़े खूंखाराय को जहर देकर मारना चाहती थी और उसकी सम्पत्ति हथियाना चाहती थी.







मैंने पूरी तरह से चैकअप किया है. इस व्यक्ति को कोई भीमारी नहीं. इसका दिल छोड़े की तरह दौड़ रहा है.

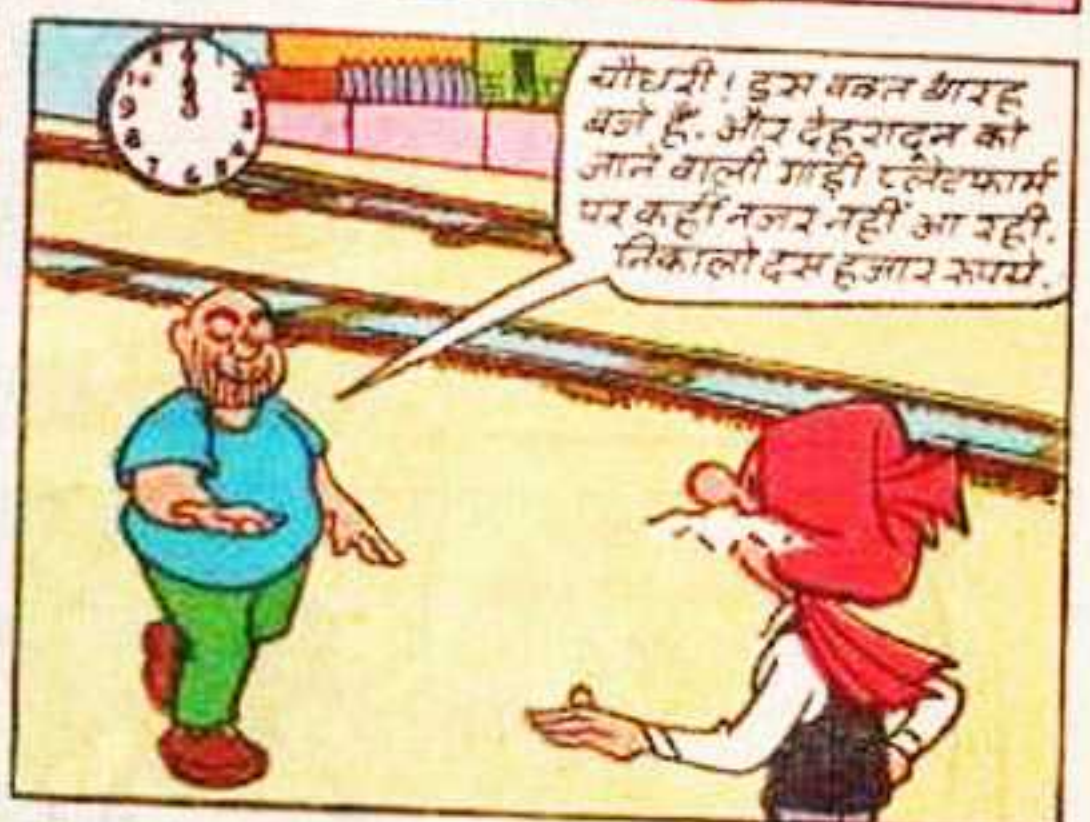


तुमने ऐसा क्यों किया?

ताकि तुम रेलगाड़ी न पकड़ सको और शर्त हार जाओ. दस कब्ब के बज चुके हैं. हो! हो!!



मुझे रेलवे स्टेशन की तरफ स्पीड बढ़ानी चाहिए.



गौधरी! दस बजते ही बजे हैं. और देहरादून को जाने वाली गाड़ी टिक्केटफार्म पर कहीं नजर नहीं आ रही. निकालो दस हजार रुपये.



देहरादून एक्सप्रेस वह आ रही है. वह आज दो घंटे लेट है.



खालू! पैसे?

कार्योबाल का गोला



बूला ! कार बहुत तेज
दौड़ रही है.

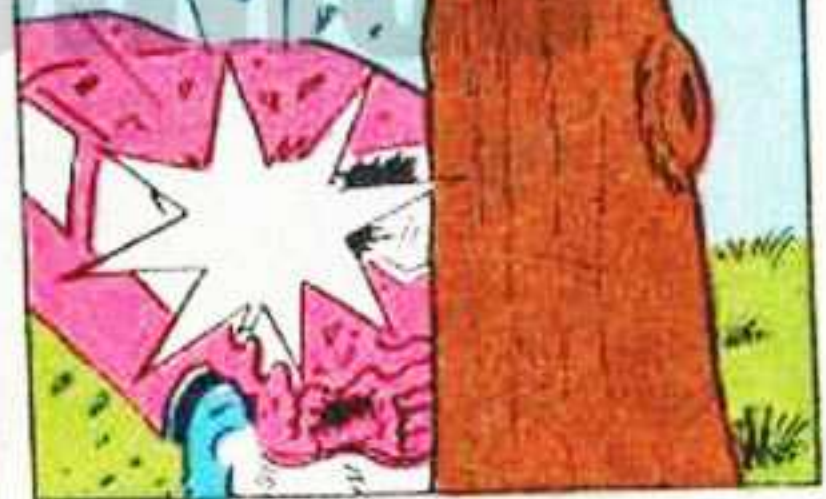
रफ़्तार आनंद
देती है, सोनिया.



तुम गाड़ी
ज़िग-ज़ेग चला
रहे हो.

हो! हो!! सड़क खाली है.
हम बादशाह हैं. जैसा चाहें
ड्राइव करें.

धड़!
क! क







बाबा चौधरी!
वह लोग मेरा
पेड़ उखाड़ने
आ रहे हैं.



कई साल वस जासून के
पेड़ को सींचकर मैंने बड़ा
किया. उसके फल बेचकर
मुझे कुछ आमदनी हो जाती
है. अगर वह पेड़ न गहा तो
मैं भूखी मर जाऊंगी.



उस पेड़ का एक फला भी नहीं
टूटेगा. मैं वचन देता हूं.



साबू! आओ!

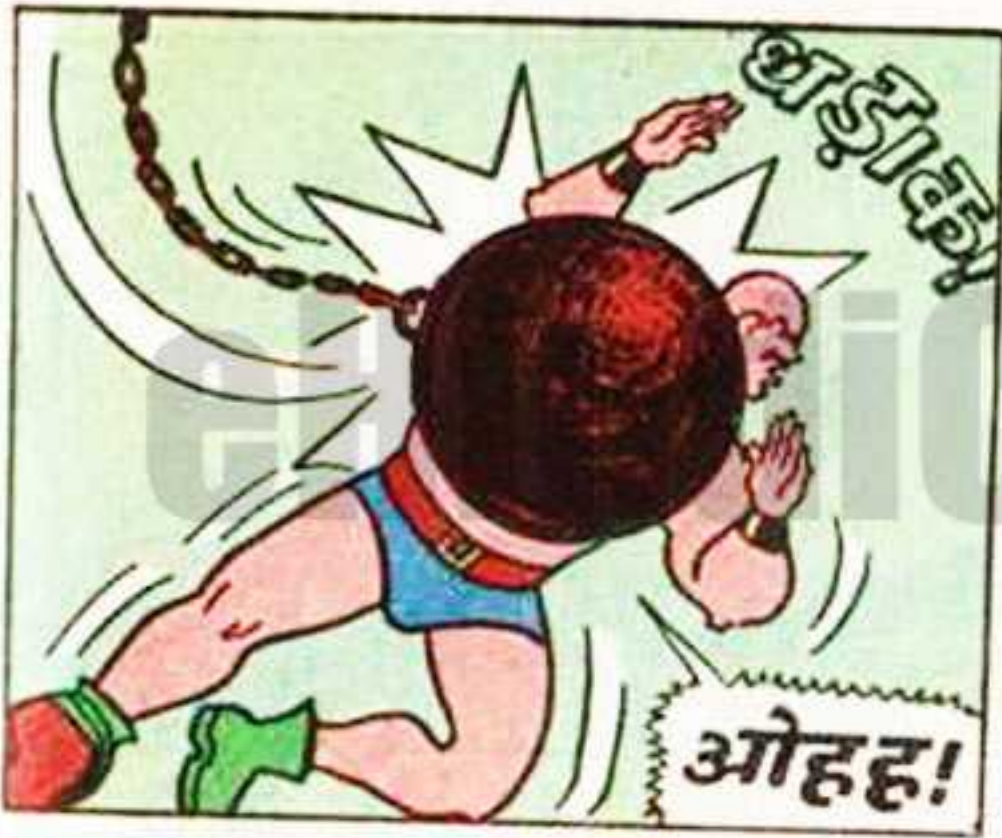


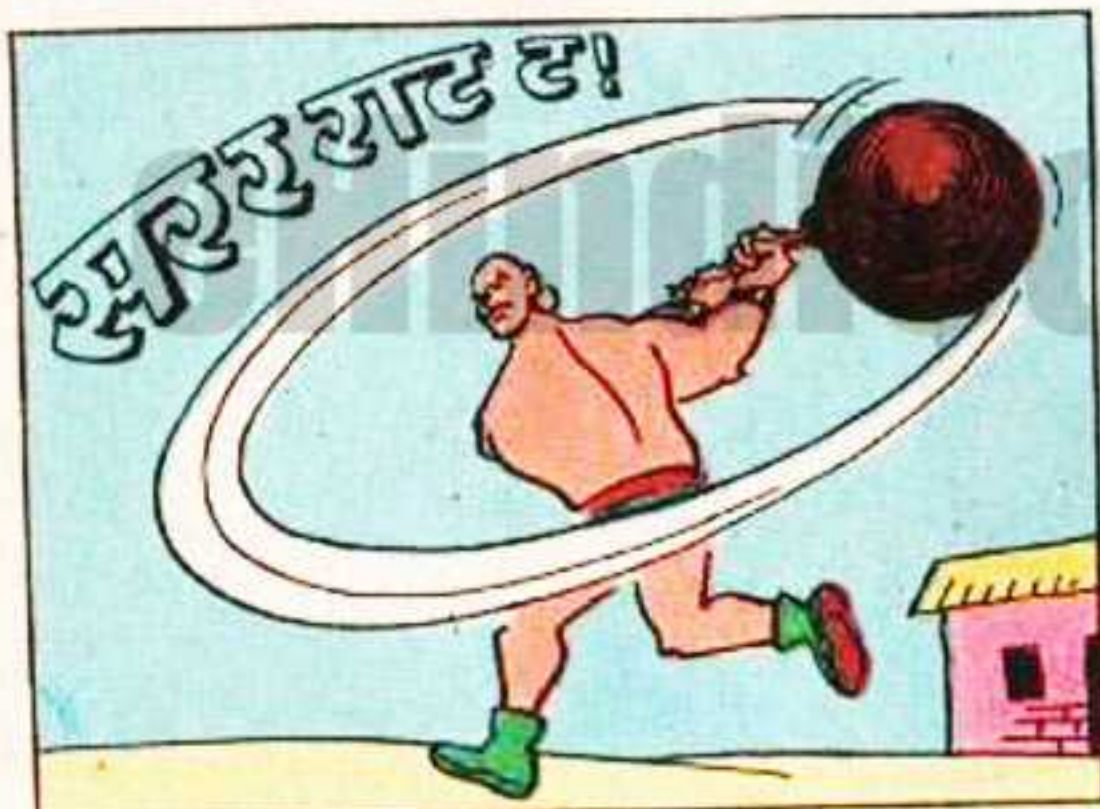
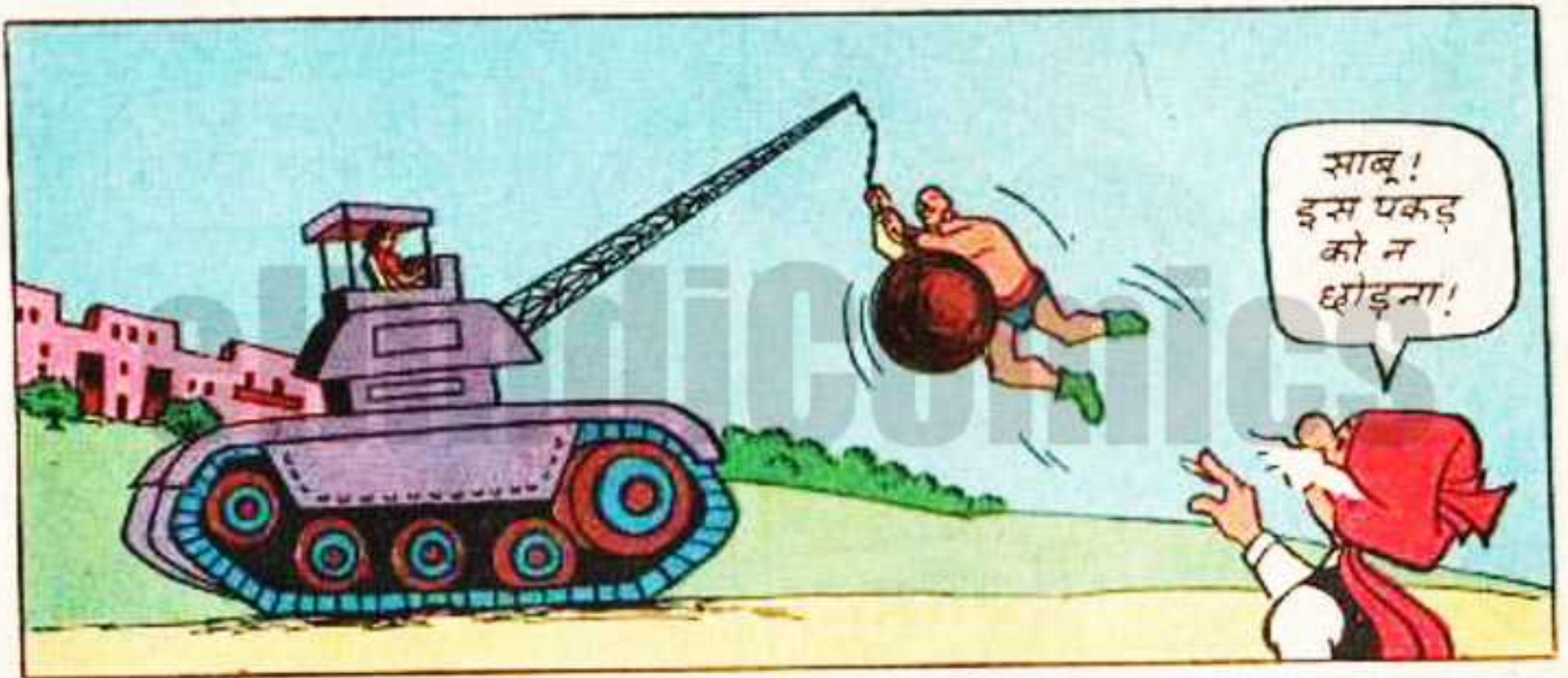
लम्बू! उस पेड़ के आगे से हट जाओ. वरना
इस लोहे के गोले की मार से तुम्हारी हड्डियां
रूई जैसी नरम
हो जायेंगी.

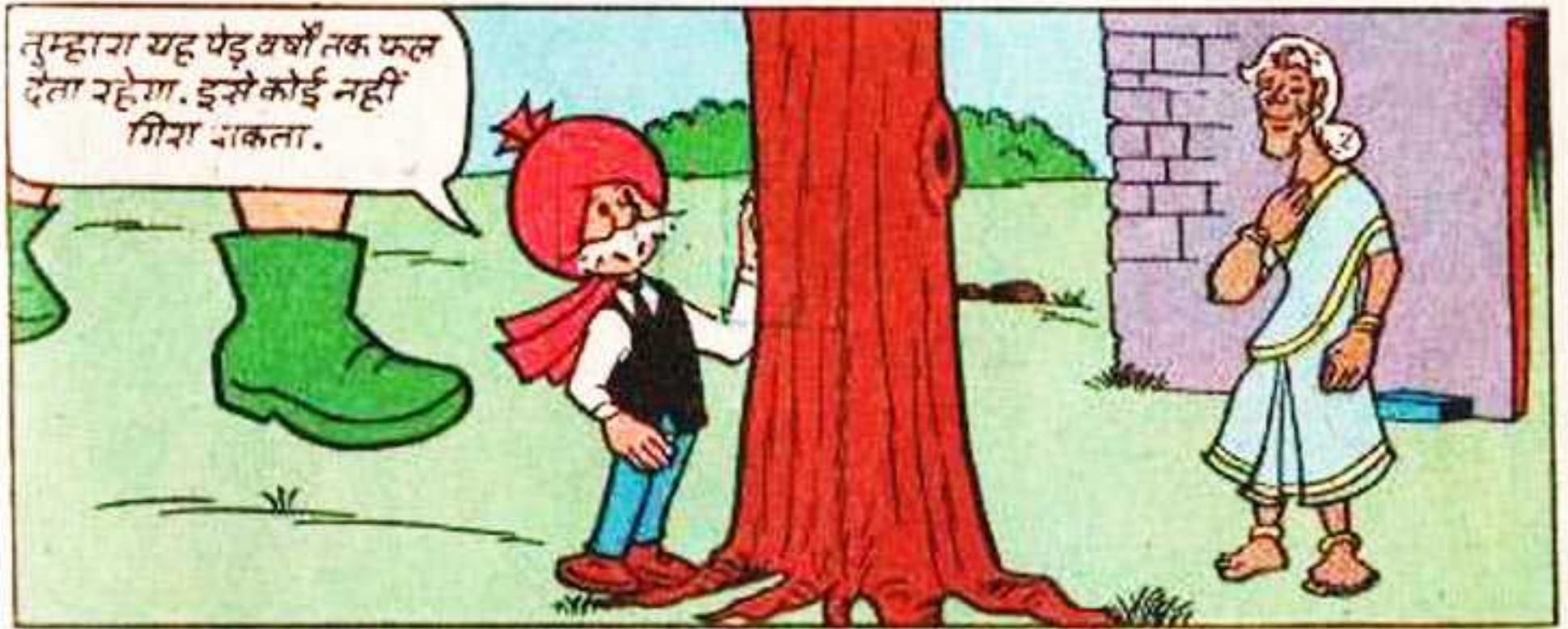
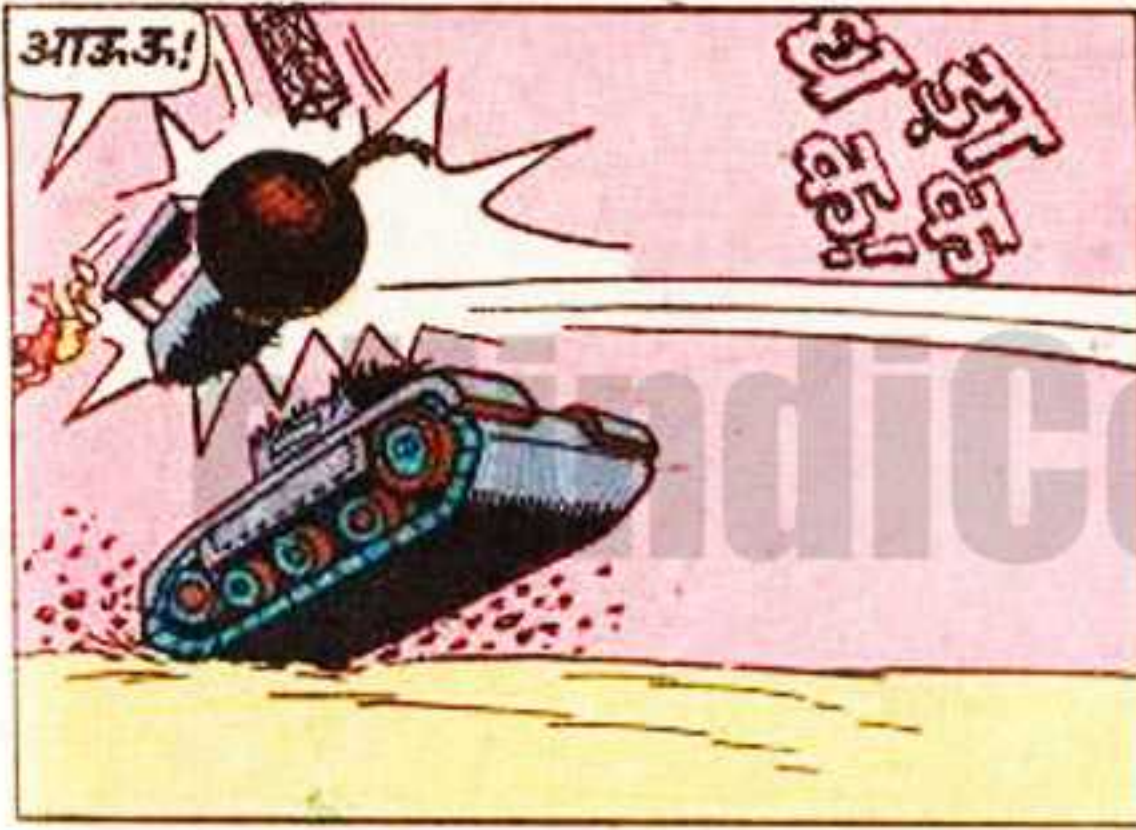
गरड़ड़ड़!

मैं इस पेड़ को
कोई नुकसान नहीं
पहुंचने दूंगा.

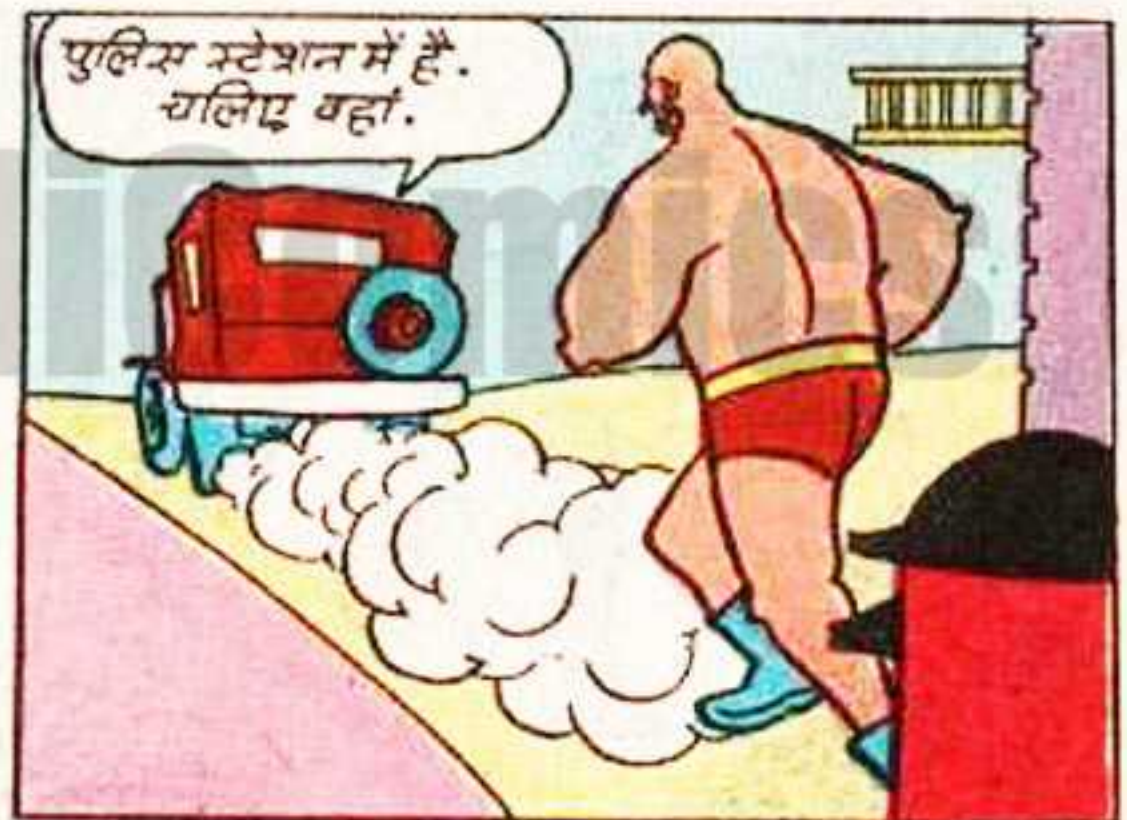
बाबा चौधरी और देहरादून एक्सप्रेस



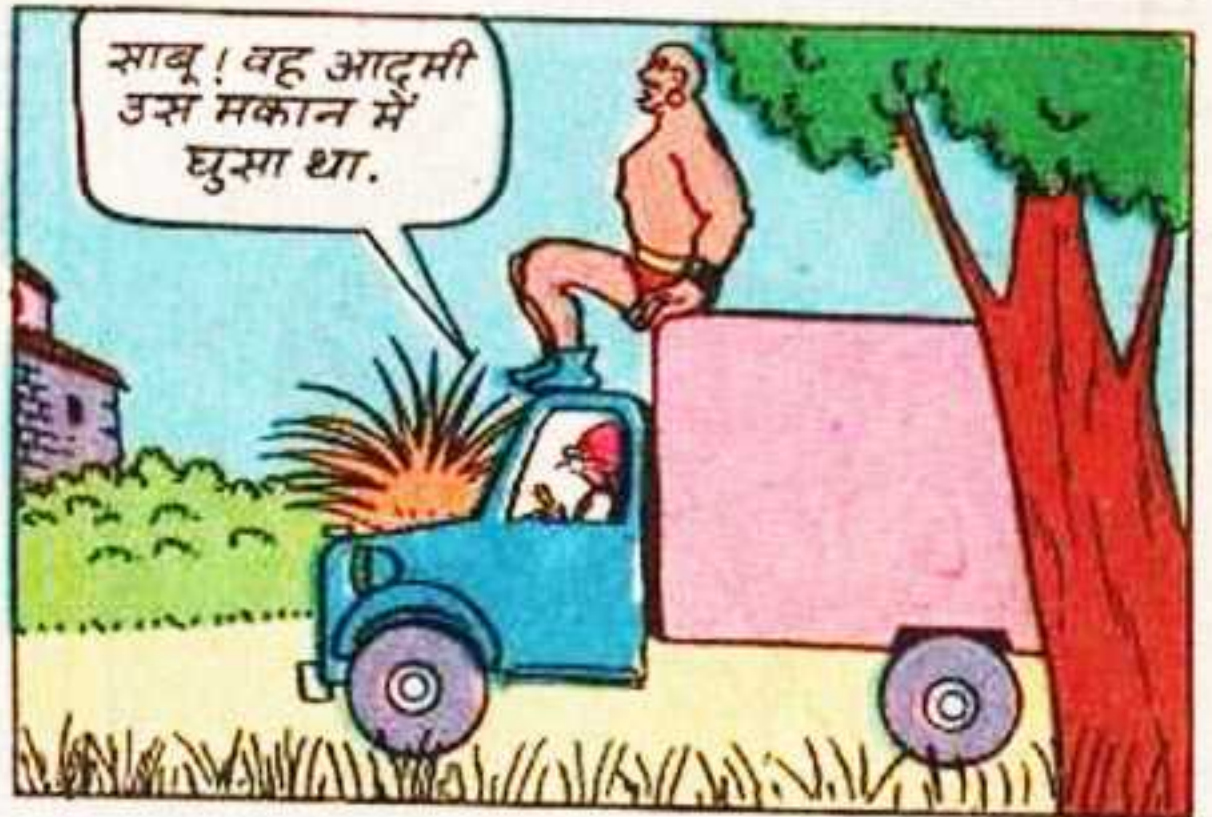


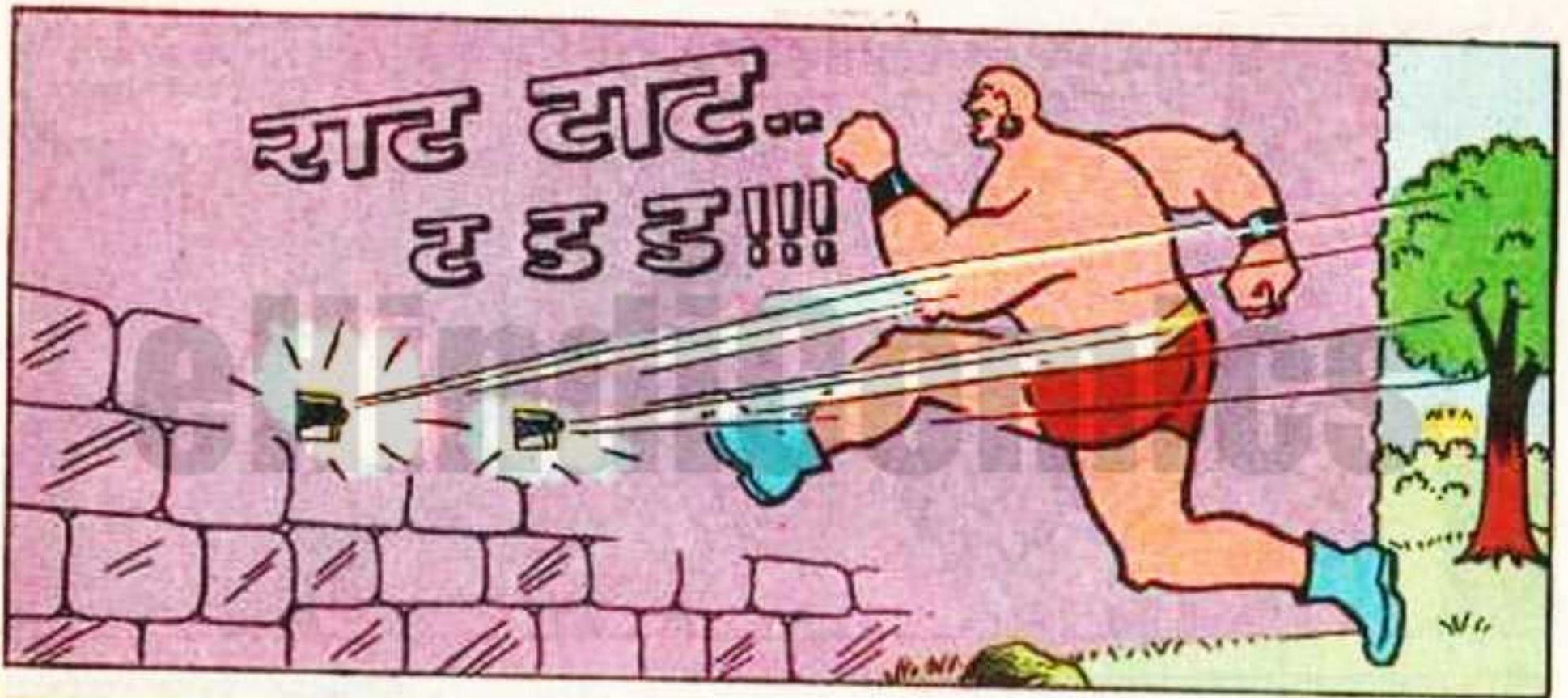












बैटुआमैन रुनामारुदरु



गोला! शहर के
पोस्ट ऑफिस में कितना
रुपया होगा?



कोई
तीन-चार
लाख
धमाकासिंह!



और बैंक में?

बारह
लाख.

तब बैंक लूटना
लाभदायक होगा.

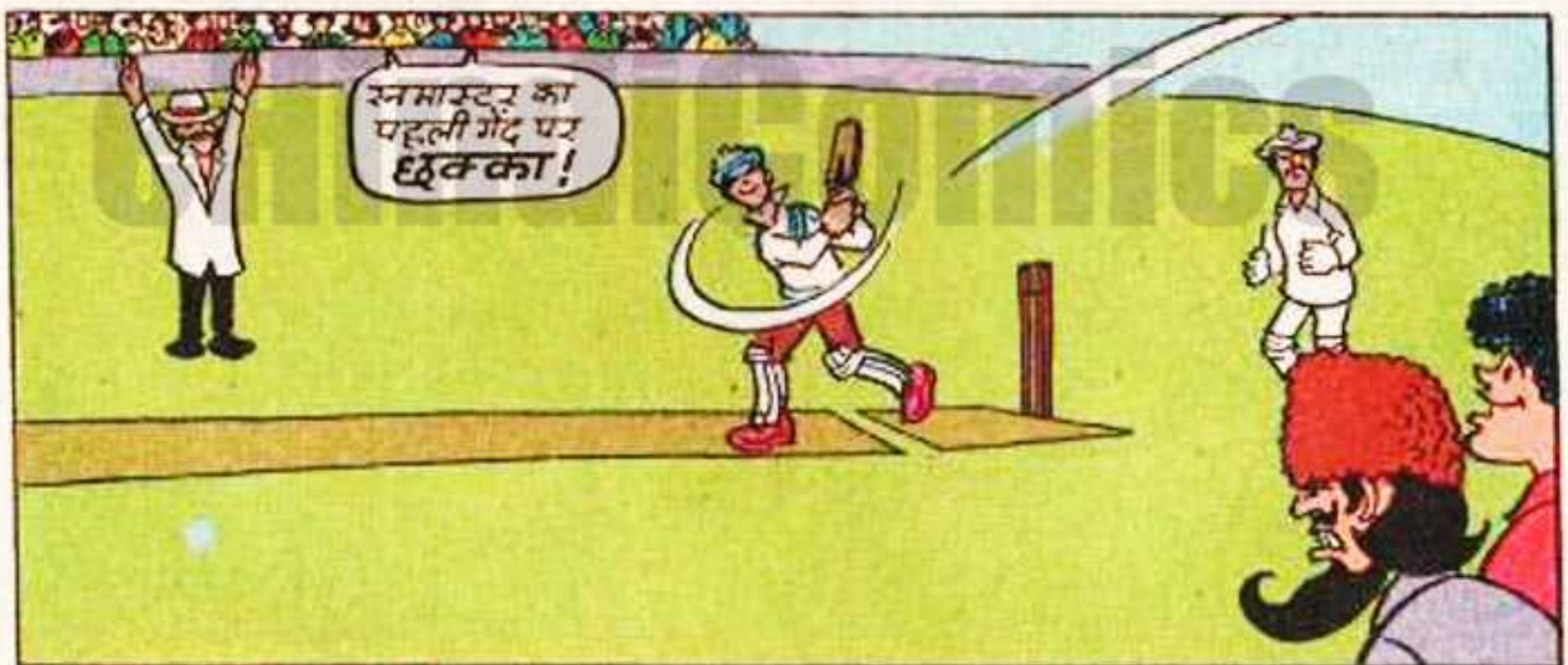
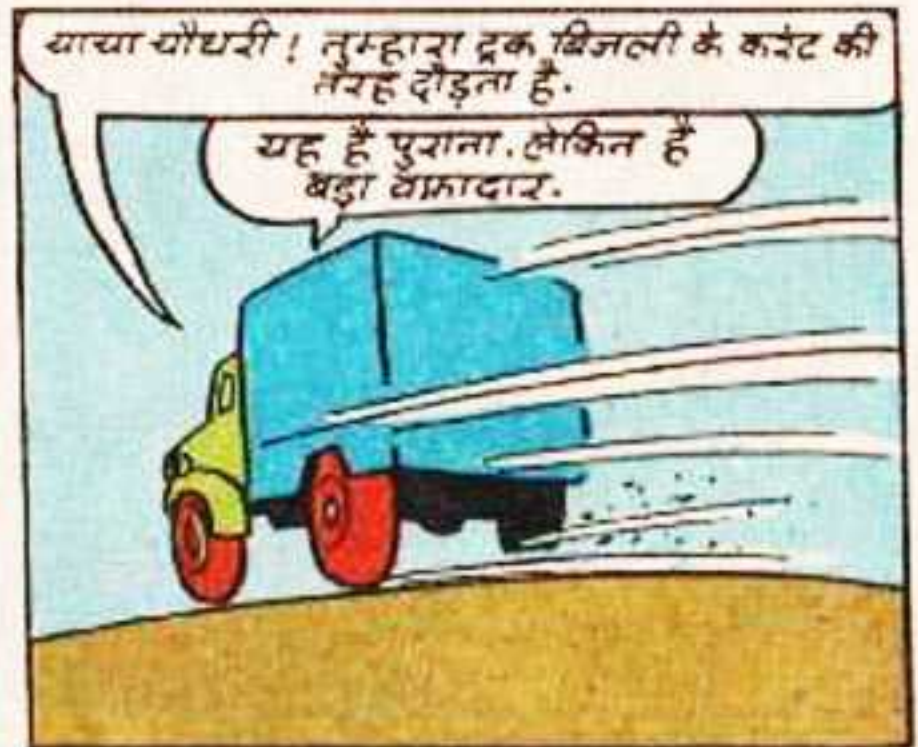












जूता चोर



जंतरी! तेरे जूते फट गये हैं. पैर खिड़की से भांक रहे हैं.



मैं भी यही महसूस कर रहा हूँ, भाहू!



भगवत शोटी के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं, फिर नये जूते खरीदने के लिए कहां से आयेंगे?



खरीदने के लिए कौन कहता है? किसी के जूते मार खाते हैं.



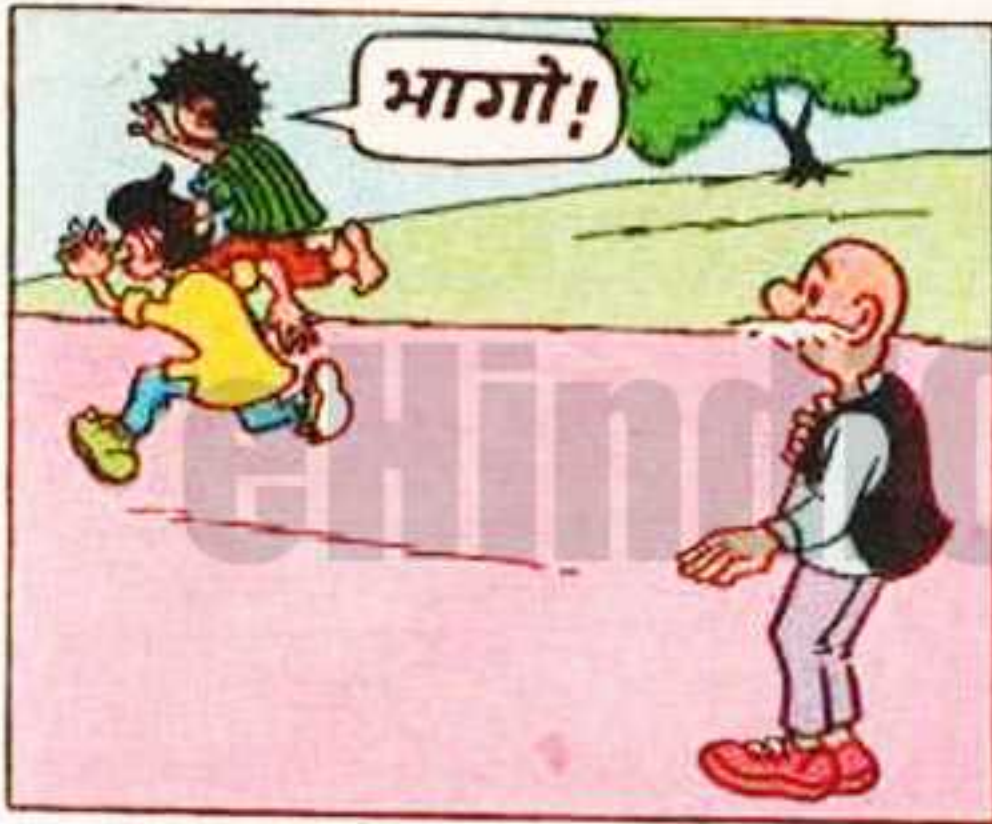
तुम्हारा आइडिया जरा रहा है.







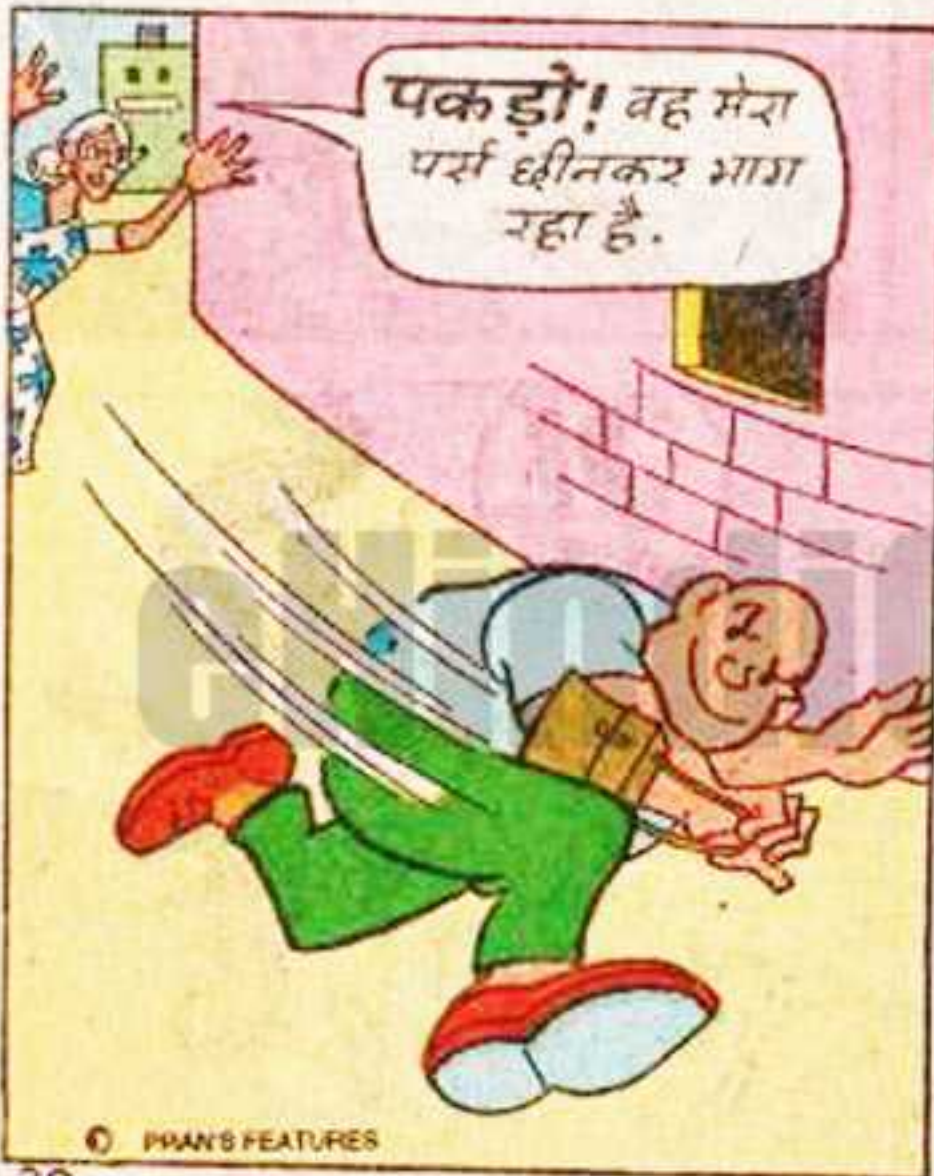


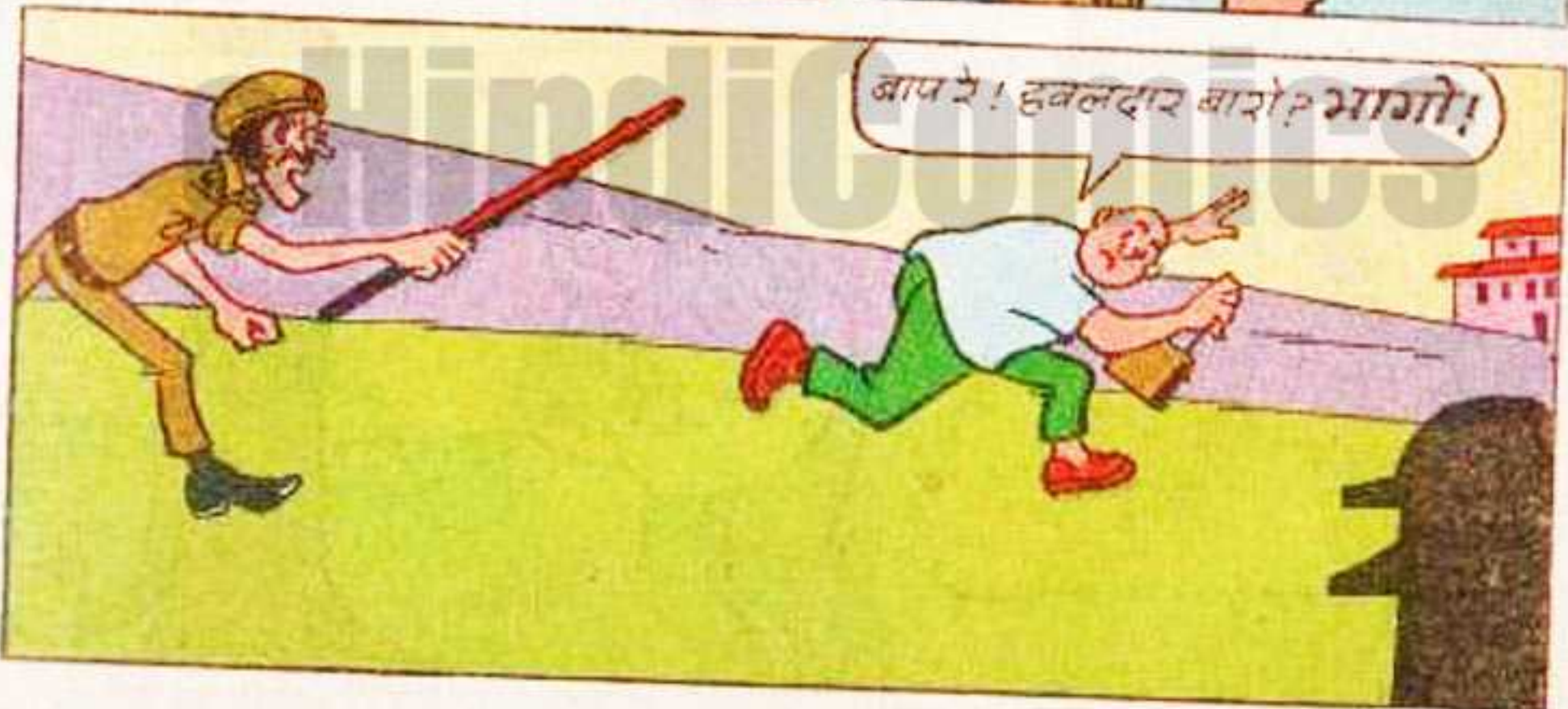




शाकेट और पर्स

आज मुझे स्कूल से वेतन मिला है. मैं इन पैसें से अपने बच्चों के लिए नये कपड़े खरीदूंगी और मकान का किराया दूंगी.

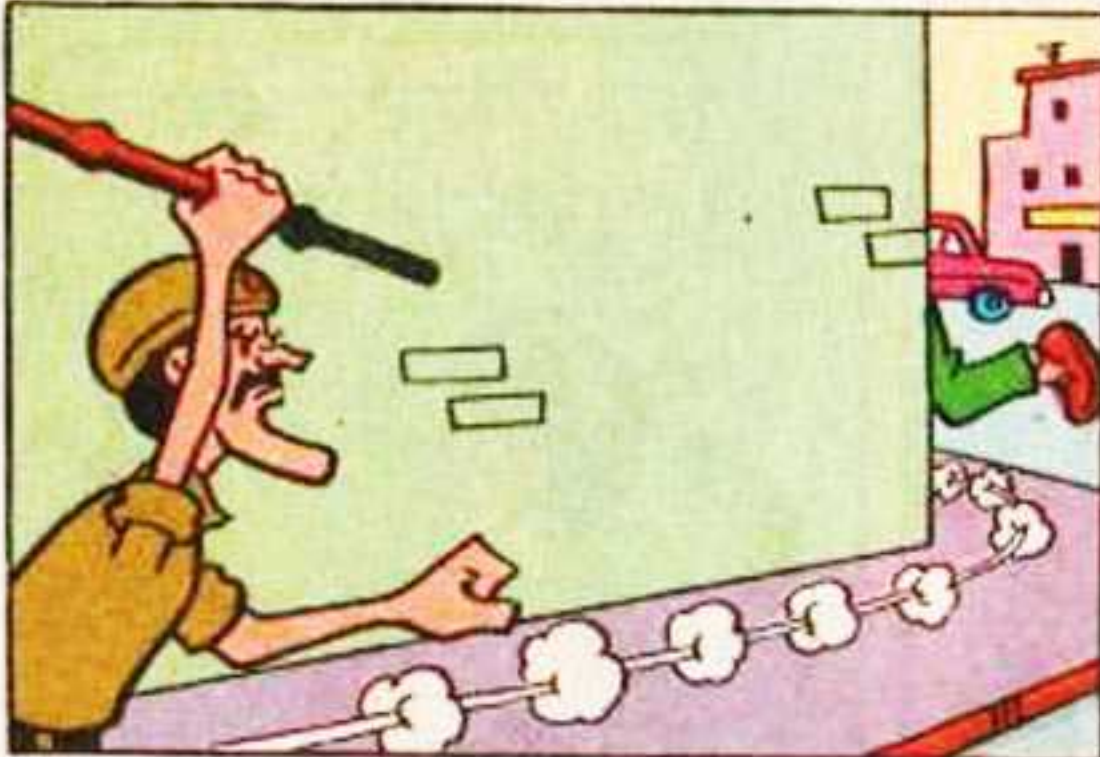




वह रुका नहीं. इसका मतलब है कि वह
जुर्म करके भाग रहा है. मैं 99 गोर गिरफ्तार
कर चुका हूँ. अगर इसे भी पकड़ लूँ तो
सैट्युरी पूरी हो जायेगी. और मैं तरक्की
पाकर इंस्पेक्टर
बन जाऊंगा.

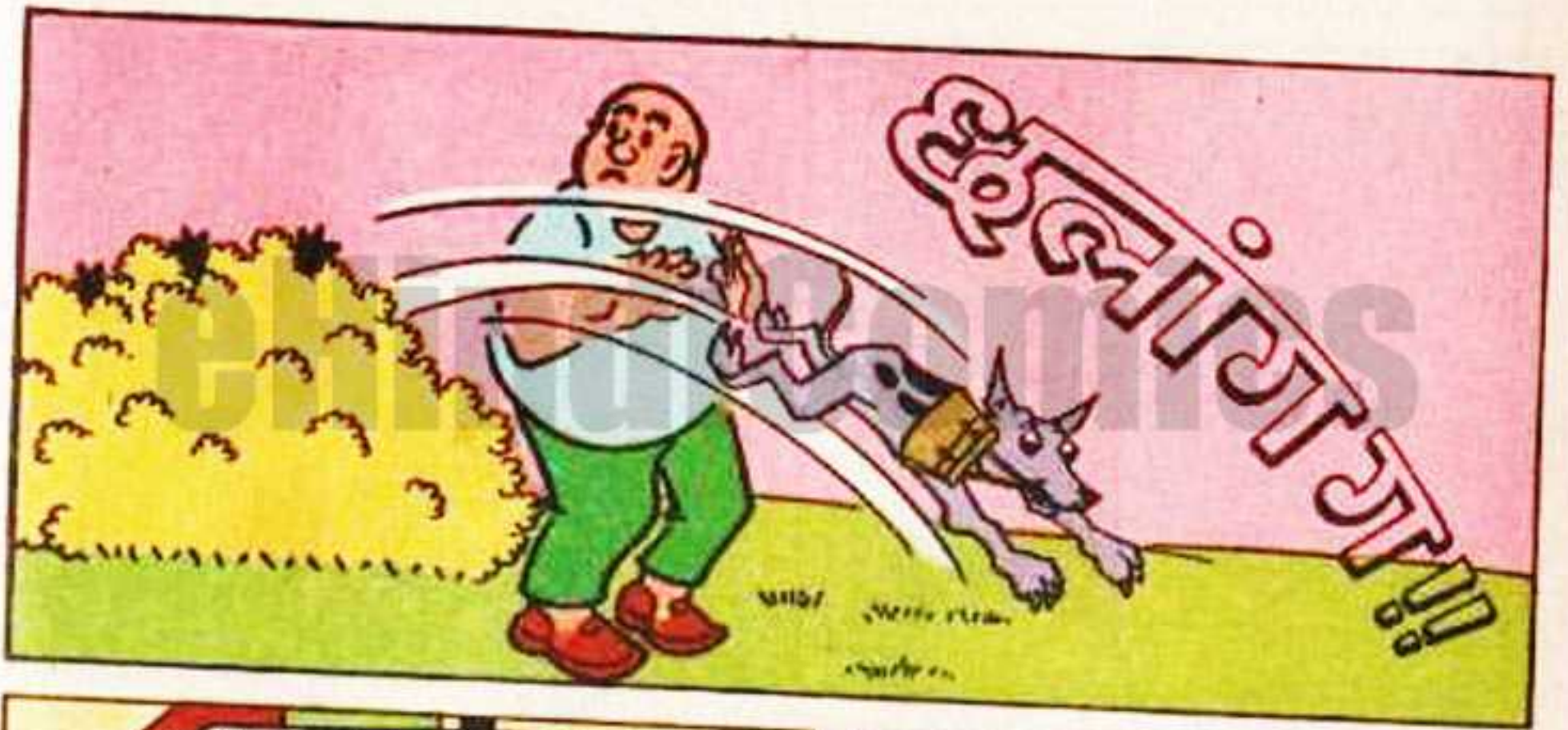


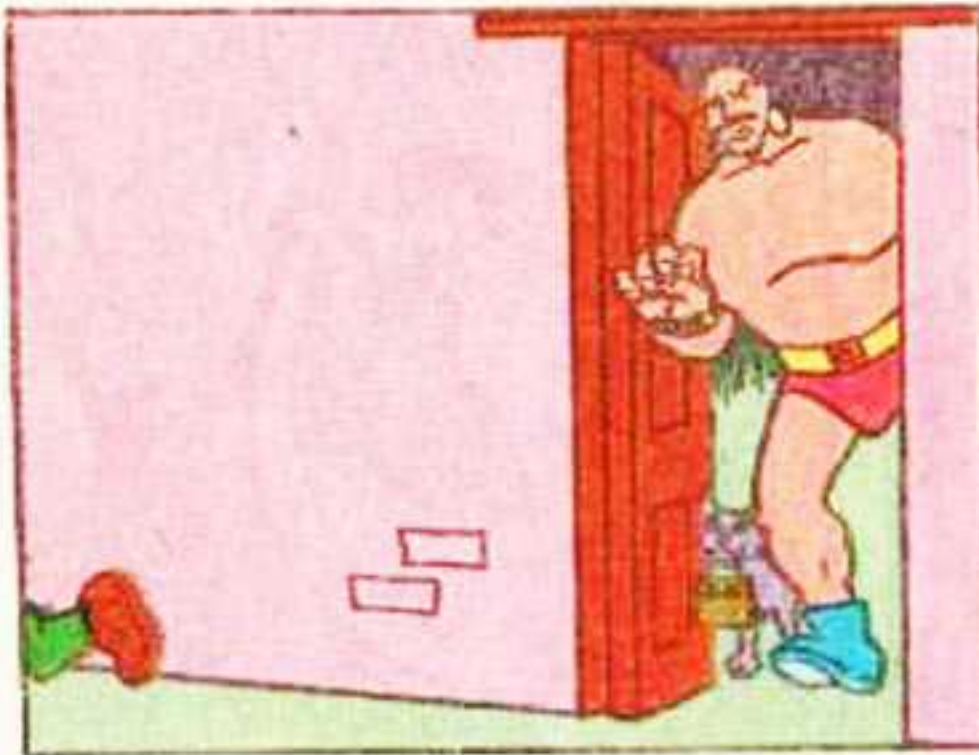
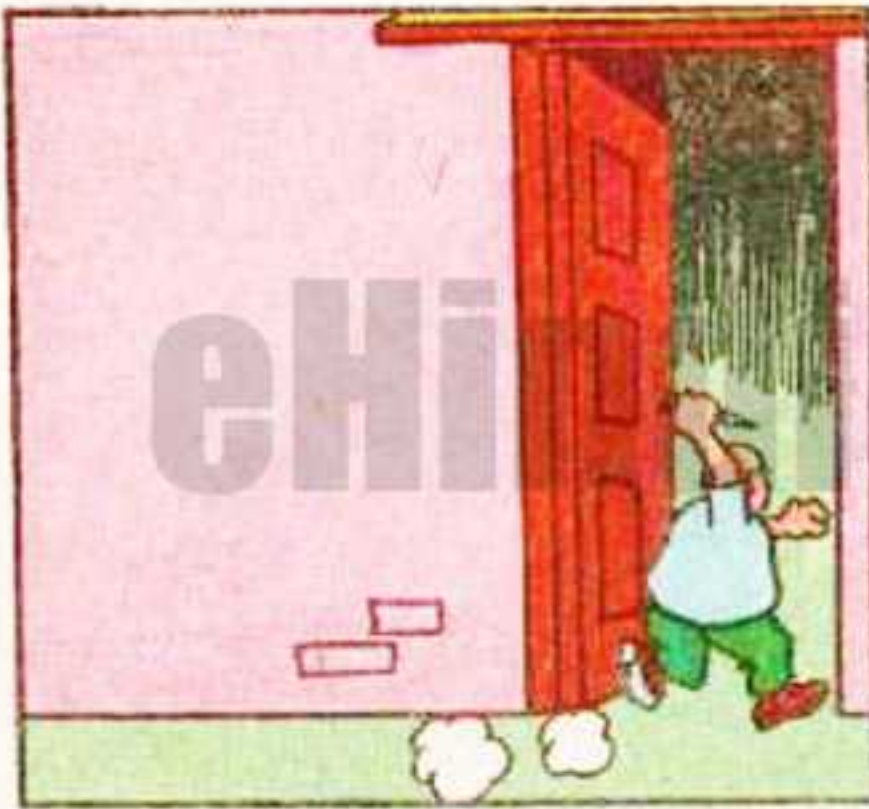
अब तुम बचकर नहीं
निकल सकते.



मैं उसको चकमा देने में
कामयाब हुआ. अब पर्री
खोलकर माल निकालना
चाहिए.







पेट् पाल्नी



भागवान! भूख
लगी है.

तुम्हारा पेट है या
हिन्द महासागर?
आधा घंटा पहले मैंने
तुम्हें पंद्रह रोटियां, दस
समोसे, एक किलो बर्फी,
एक कटोरा सब्जी खाने
को दी थी?



मैं क्या करूं?
मुझे जल्दी भूख
लग आती
है.

दुतना खाना मैं
कहां से लाऊं?
बाहर जाओ
और कहीं
दुंतजाम करो.



बाहर कुछ न
कुछ जरूर मिल
जायेगा.



© PINK'S FEATURES



